4. संज्ञा

संसार की प्रत्येक वस्तु चाहे वह सजीव हो या निर्जीव, प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष एक निश्चित नाम से पहचानी जाती है। प्रत्येक व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव का नाम होता है, यह नाम ही संज्ञा कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों से पूछें कि उन्हें यहाँ आसपास क्या-क्या संज्ञाएँ दिखाई दे रही हैं।
- छात्र संज्ञा शब्दों को भली-भाँति समझ चुके हैं। अतः पाठ पृष्ठ 25 पर दिए चित्रों में से संज्ञा शब्द बताने को कहें।
- छात्रों से संज्ञा की परिभाषा पूछें तथा उन्हें संज्ञा के भेद समझाएँ।
- छात्रों से संज्ञा के भेदों व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक के उदाहरण बताने को कहें।
- सभी छात्रों को अभिव्यक्ति का अवसर दें।
- समझाएँ, विशेष व्यक्ति, वस्तु आदि का नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा। किसी प्राणी, वस्तु की संपूर्ण जाति का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा तथा मन के भावों, महसूस किए जाने वाले भावों एवं दशा-अवस्था के नाम भाववाचक संज्ञा होते हैं। पाठ पृष्ठ 26-27 पर दिए उदाहरणों को पढ़वाकर समझाएँ।
- समझाएँ, समूहवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा के ही उपभेद हैं। इन्हें विस्तार से समझाएँ।
- भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना कैसे होती है विस्तारपूर्वक स्पष्ट करें। पाठ पृष्ठ 27-29 पर दिए शब्दों द्वारा समझाते हुए शब्द पढ़वाएँ।
- पूछें, क्या वे संज्ञा भली-भाँति समझ पा रहे हैं।
- एक संज्ञा पद का दूसरे संज्ञा पद के रूप में प्रयोग बताते हुए व्यक्तिवाचक का जातिवाचक तथा जातिवाचक का व्यक्तिवाचक में तथा भाववाचक संज्ञा शब्दों का जातिवाचक संज्ञा के रूप में कब और क्यों प्रयोग किया जाता है, विस्तार से समझाएँ।